

कपड़ों, लकड़ों तथा फलों के आहारेदितियों के
 खेती होती होती है नुकसान - जल का खर्च होता
 गता

Figure 4.4



वाणिज्यिक
 पशुधन

वाणिज्यिक खाद्यान्न कृषि प्रदेश

इसके अंतर्गत मुख्यतः मुख्य अनाभीय प्रदेश
 होते हैं जहाँ मुख्यतः धान, ज्वार एवं काली
 मिट्टी पाई जाती है। इनमें कृषि के
 अधिकता होती है नतीजा अधिक मात्रा तक
 पैदा हो रहा है। ऐसे प्रदेशों में बहुत ही उत्पादन
 वाणिज्यिक स्तर पर होता है इस क्षेत्र
 में वाणिज्यिक कृषि के दो प्रमुख कारण हैं

(1) जनसंख्या कम है और कृषि से अधिक
 श्रमिक

(2) अधिकतर मुख्य अनाभीय खाद्य मेंधान विकसित
 देशों में स्थित है, जहाँ कृषि के बड़े-2
 फार्म विकसित हुए हैं और आधुनिक
 तकनीक के मदद से कृषि उत्पादन अधिक
 है। (हालांकि उत्पादकता कम है।)

(3)

इस कृषि प्रदेश के अंतर्गत ऐसी पहाड़ी
 बेल, डाउन जैसे क्षेत्र होते हैं। स्टैपी के अंतर्गत
 कुंवरी, भूकन तथा पशु सांकेतिक का विशेष महत्व
 है। भूकन को मुख्यतः पशुधन के लिए
 उपयोग नहीं होता जाता है इस प्रकार के
 अधिकतर प्रदेश खाद्यान्न में निर्धारित मात्रा

U.S.A विभव बाजार में और गेहूं की आपूर्ति
 होगा है कनाडा, आर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया अन्य
 प्रभाव गेहूं निर्यातक देश है।

profit (लाभ) पशुपालन
 मुंह, मुंह (1) मुंह
 पशुपालन में मुंह, मुंह

वाणिज्यिक पशुपालन एवं फसल कृषि

इस प्रकार की कृषि भी मुख्यतः विकसित
 देशों में ही होती है। यह विकसित
 देशों में मुख्यतः आवासीय वाले क्षेत्रों में
 होती है। यह कृषि संवर्ण भूभाग U.S.A
 का एक पूरा भाग एवं कनाडा का उत्तरी भाग
 आर्जेंटीना, दक्षिण अफ्रीका का वेल्ड और आस्ट्रेलिया
 में होती है। यूपएस एवं अमेरिका में इसे
 ही मिश्रित कृषि कहा जाता है। इस प्रकार
 के कृषि में कृषक पशुपालन का साथ साथ
 साथ ही करता है, जबकि फसलों का उपयोग
 खातरी उपयोग हेतु करता है। यह खातरी
 वैज्ञानिक कृषि है। यद्यपि प्रत्येक देश के
 4 भाग में बांट दिया जाता है तथा
 फसल चक्र के नियमों का पालन किया
 जाता है।

- + पशुधन पूंजी निवेश
- + इलाक़ आर्ध
- + मिश्रित की उर्वराशक्ति
- बहुतरा रखी है।

